1

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

न क्वेयं यथा त्वम्।

सामवेद 203

हे प्रभो तुझ जैसा काई नहीं है। आप अनुपम हैं।

O God ! Verily there is none like you.
You are matchless.

वर्ष 41, अंक 49 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 24 सितम्बर, 2018 से रविवार 30 सितम्बर, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली: 25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर 10 रोहिणी, दिल्ली -110085

महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द को आमन्त्रण

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्तूबर, 2018 की तैयारियों के चलते भारत गणराज्य के महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द जी को इस अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में पधारने एवं प्रेरक उद्‌बोधन देने के लिए आमन्त्रित किया गया। महामहिम राष्ट्रपति को आमन्त्रित करने के लिए महासम्मेलन के स्वागताध्यक्ष महाशय धर्मपाल जी, सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य जी, मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री डॉ. सत्यपाल सिंह जी एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य जी ने राष्ट्रपति भवन पहुंचकर भेंट की और आर्यसमाज की ओर से अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

भारत की राजधानी दिल्ली में

विश्वभर के आर्यों का महाकुंभ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2018

25 से 28 अक्टूबर 2018

तदनुसार कार्तिक कृष्ण 1, 2, 3, 4 विक्रमी सम्वत् 2075

उद्‌घाटन

25 अक्टूबर 2018
प्रात: 10-30 बजे

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की ज्वलन्त समस्याओं के वैदिक समाधान को सुनने व समझने का दुर्लभ अवसर।

इस अभूतपूर्व अवसर का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

स्वर्ण जयंती पार्क,
रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85

इस ऐतिहासिक महासम्मेलन में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

वेद-स्वाध्याय

विश्वानर देव का महान बल

प्र वो महे मन्दमानायान्धसोऽ र्चा विश्वानराय विश्वाभुवे।
इन्द्रस्य यस्य सुमखं सहो महि श्रवो नृम्णं च रोदसी सपर्यतः।। यजु. 33/23
ऋषि : **इन्द्रो वैकुण्ठः।।** देवता - **इन्द्रः।।** छन्दः **जगती।।**

शब्दार्थ-हे मनुष्यो! **वः** = तुम उस **महे** = महान् **मनदमानाय** = सदा मोदमान, आनन्दमय **अन्धसः** = सुख भोग के (देनेवाले) **विश्वा भुवे** = विश्व में समाये हुए, विश्वव्यापी **विश्वानराय** = विश्वानर देव का **प्र अर्च** = पूजन करो **यस्य इन्द्रस्य** = जिस ईश्वर का **सुमखम्** = सुपूजित **सहः** = बल व तेज **महि** = महान् है और जिसके **श्रवः** = यश **नृम्णं च** = तथा बल का **रोदसी** = यह द्यौ और पृथिवी, दोनों संसार **सपर्यतः** = पूजन कर रहे हैं, वन्दन कर रहे हैं।

विनय- क्या तुम अपने विश्वानर देव को भी जानते हो? यह वह देव है जिसमें हम विश्वानर, हम सब मनुष्य, समाये हुए हैं; यह वह नर है, वह पुरुष है जिसका कि यह विश्व (यह ब्रह्माण्ड) शरीर है, अतः हे नरो, हे मनुष्यो! तुम इस अपने महान् विश्वानर देव का पूजन करो। यह सब विश्व में समाया हुआ विश्वव्याापी देव सदा मोदमान है, आनन्दमय है। हमें अपना सब आनन्द, सब अन्न आदि भोग इसी से मिल रहा है। 'अन्धस्' वाला यही है और यह वह इन्द्र (परमेश्वर) है जिसका कि सुपूजित बल, सर्ववन्दित तेज, अत्यन्त महान् है। इसी के महान् 'सहस्' के कारण सब लोक, सब भुवन, सब ब्रह्माण्ड ठीक-ठीक चल रहा है। इसी के मनुष्योपयोगी आंशिक यश और बल को सब संसार के मनुष्य सेवन कर रहे हैं। अरे, क्या तुम देखते नहीं कि ये रोदसी, ये विशाल द्यौ और यह पृथिवी, उसी देव की परिचर्या कर रहे हैं, अहिर्नश उसी देव का पूजन कर रहे हैं? तो आाओ, हम भी उस अपने महान् विश्वानर देव के गीत गाएं, अपने सम्पूर्ण जीवन द्वारा उसकी वन्दना करें।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

भूत-प्रेम कितना सच? कितनी बीमारी?

वैसे देखा जाये तो भूत-प्रेत नाम का कारोबार काफी पुराना है किसी से भूत प्रेत भगाने का टोटका पूछो तो वह आपको हजार टोटके बता देगा। इसके बाद देश में भूत-प्रेत, डायन, पिचाश पकड़ने छोड़ने वाले लाखों बाबा हैं और हर किसी के पास अपने टोटके और अपने भूत-प्रेत है।

भूत होता है या नहीं, इसके पक्ष-विपक्ष में तमाम दावे हैं। लेकिन भूत-प्रेत के भूत ने देश में करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा कर दिया है। भूत-प्रेत अब आदमी तक सीमित नहीं रहा भूत भगाने वाले और भूतों से सीधे संवाद करने वाले तांत्रिक बाबाओं की लंबी जमात देशभर में खड़ी हो गई। अखबार, टीवी चैनल और सार्वजनिक स्थलों पर किस्म-किस्म के एक्सपर्ट बाबा भूत भगाने के पोस्टर लगाए बैठे हैं। मजेदार बात यह है कि इस भूत-प्रेत में सौतन, सास, प्रेमी-प्रेमिका और कारोबार सब शामिल हो गए है। बाबा दावा करते हैं कि वे सब कुछ सही कर देंगे। प्रेमी को प्रेमिका दिला देंगे। सौतन से मुक्ति मिल जाएगी कारोबार दिन और रात बढ़ेगा।

शहर के हर गली-मोहल्ले में लोगों को ठगने के लिए तांत्रिकों की बड़ी फौज मौजूद है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा काम हो जिसे पूरा करने के ये दावे न करते हों। किसी की नौकरी नहीं लग रही या फिर किसी से उसकी प्रेमिका रूठ गई है। ये धोखेबाज तांत्रिक सिर्फ किसी का फोटो देखकर ही आपकी शादी उससे कराने तक की सौ फीसदी गारंटी लेने से भी बाज नहीं रहे हैं। ऑफिसों के भीतर बनाए केबिनों में पसरे अंधेरे के बीच ये धोखेबाज ठगी का ऐसा खेल खेलते हैं कि अच्छे से अच्छा व्यक्ति इनके जाल में फंसकर बर्बाद हो जाता है। पैसा तो जाता ही है काम और भी बिगड़ जाता है। यह लोग अंधविश्वास की अजीब दुनिया में ले जाते हैं। इनके धोखे में ज्यादातर युवा फंसते हैं। इनकी बातों को सच मानकर बड़ी मुसीबत खड़ी कर लेते हैं।

यही नहीं पिछले दिनों जब यह सुना तो बड़ा अजीब लगा कि बिहार और झारखंड में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जहां ''भूतों-प्रेतों का मेला'' लगता है। भले ही आज के वैज्ञानिक युग में इन बातों को कई लोग नकार रहे हों, लेकिन झारखंड के पलामू जिले के हैदर नगर में, बिहार के कैमूर जिले के हरसुब्रह्म स्थान पर और औरंगाबद के महुआधाम स्थान पर भूतों के मेले में सैकड़ों लोग नवरात्र के मौके पर भूत-प्रेत की बाधा से मुक्ति के लिए पहुंचते हैं। यही कारण है कि लोगों ने इन स्थानों पर चैत्र और शारदीय नवरात्र को लगने वाले मेले को भूत मेला नाम दे दिया है।

नवरात्र के मौके पर अंधविश्वास संग आस्था का बाजार सज जाता है और भूत भगाने का खेल चलता रहता है। ऐसे तो साल भर इन स्थानों पर श्रद्धालु आते हैं, लेकिन नवरात्र के मौके पर प्रेतबाधा से मुक्ति की आस लिए प्रतिदिन यहां उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लोग पहुंचते रहते हैं।

हैदरनगर स्थित देवी मां के मंदिर में करीब 2 किलोमीटर की परिधि में लगने वाले इस मेले में भूत-प्रेत की बाधा से मुक्ति दिलाने में लगे ओझाओं की मानें तो प्रेत बाधा से पीड़ित व्यक्तियों के शरीर से भूत उतार दिया जाता है और मंदिर से कुछ दूरी पर स्थित एक पीपल के पेड़ से कील के सहारे उसे बांध दिया जाता है।

बताया जाता है यहां के ओझा प्रेतात्मा से पीड़ित लोगों को प्रेत बाधा से मुक्ति दे पाते हैं। खाली मैदान में महिलाएं गाती हैं तो कई महिलाओं को ओझा बाल पकड़ कर उनके शरीर से प्रेत बाधा की मुक्ति का प्रयास करते रहते हैं। कई महिलाएं झूम रही होती हैं तो कई भाग रही होती हैं, जिन्हें ओझा पकड़कर बिठाए हुए होते हैं। इस दौरान कई पीड़ित लोग तरह-तरह की बातें भी स्वीकार करते हैं। कोई खुद को किसी गांव का भूत बताता है तो कोई स्वयं को किसी अन्य गांव का प्रेत बताता है।

असल में मनोचिकित्सक और मेडिकल साइंस के अनुसार मानव शरीर में 23 गुणसूत्र होते हैं। ये सभी डी एन ए से बने होते हैं। डी एन ए आनुवांशिक लक्षणों को पीढ़ी-दर पीढ़ी आगे ले जाते हैं। इन गुणसूत्रों पर 64 कोडोन्स होते हैं। यह सभी कोडोन्स 13.4 ट्रिलियन कोशिकाओं को नियंत्रित करते हैं। प्रत्येक कोड का एक निश्चित क्रम होता है। ऐसे में यदि एक कोड बदल जाए तो व्यक्ति अपनी पहचान

.....बिहार और झारखंड में कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जहां ''भूतों-प्रेतों का मेला'' लगता है। भले ही आज के वैज्ञानिक युग में इन बातों को कई लोग नकार रहे हों, लेकिन झारखंड के पलामू जिले के हैदर नगर में, बिहार के कैमूर जिले के हरसुब्रह्म स्थान पर और औरंगाबद के महुआधाम स्थान पर भूतों के मेले में सैकड़ों लोग नवरात्र के मौके पर भूत-प्रेत की बाधा से मुक्ति के लिए पहुंचते हैं। यही कारण है कि लोगों ने इन स्थानों पर चैत्र और शारदीय नवरात्र को लगने वाले मेले को भूत मेला नाम दे दिया है।.....

खोने लगता है। कोड बदलते ही उसकी खास पहचान बिगड़ती है। आदमी खुद का अस्तित्व खो देता है। वह अजीब बातें करता है। उसे अपने अस्तित्व की छाया दिखने लगती है। इसे ही लोग भूत-प्रेत या ऊपरी हवा समझने लगते हैं। इसी प्रक्रिया में हार्मोन्स के स्राव में भी बदलाव होता है। इससे व्यक्ति का व्यक्तित्व भी परिवर्तित होना शुरू हो जाता है।

यह तो थी साइंस अब यदि साइक्लॉजी मनोविज्ञान की बात करें तो कोई न कोई इन्सान किसी न किसी से प्रभावित जरूर होता है। तब वह उसके जैसा बनना चाहता है। कोई फिल्म देखकर नायक से प्रभावित होता है तो कोई विलेन से प्रभावित हो जाता है। किसी की बचपन से कथित चमत्कारी शक्तियों में कल्पना होती है। कई बार इन्सान इतना काल्पनिक हो जाता है कि वह यथार्थ को भूलकर कल्पना की गहराई में डूब जाता है। वह खुद कोई दूसरा समझने लगता है। उसे यथार्थ की दुनिया बेकार लगने लगती है और अपनी काल्पनिक दुनिया सच्ची, तब वह ऐसी हरकतें शुरू कर देता है। अपना नाम, अपना स्थान सब कुछ वही बताने लगता है जैसी कल्पनाओं में वह डूबा होता है। जिन लोगों की इच्छा शक्ति कमजोर होती है, उन पर ही भयभीत करने वाली बातें हावी होती हैं। उनके सामने उसी तरह की संरचनाएं बनने लगती हैं। फिर वे इसी तरह के मायाजाल में फंसने लगते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे मामलों का फायदा उठाकर भूत-प्रेत और जादू-टोना के नाम पर धन ऐंठते हैं जिसे भूत-प्रेत चुड़ैल आदि का नाम देकर खूब धन बटोरते हैं।

- सम्पादक

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

फिर दिखी पाक की कायराना हरकत

.... जम्मू के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में शहीद हुए बीएसएफ जवान नरेंद्र सिंह को पाकिस्तानी सैनिकों ने अगवा कर पहले कई घंटे तड़पाया। फिर उनकी निर्मम हत्या की। जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी सैनिकों ने वहशीपन दिखाते हुए 51 साल के जवान नरेंद्र सिंह का पहले गला रेता। फिर शरीर पर करंट लगाया। इसके बाद एक टांग भी काट डाली। इसके बाद भी उनका मन नहीं भरा तो .....

एक बार फिर एक सैनिक की विधवा के आँखों से आंसू छलके हैं, फिर एक बार एक शहीद का परिवार गुस्से में दिखा। किन्तु यह गुस्सा इसलिए नहीं था कि उनका अपना देश की सेवा करते हुए शहीद हुआ बल्कि इसलिए था कि दुश्मन देश द्वारा शहीद के शरीर से बर्बरता की गयी थी। पाकिस्तान की दरिंदगी और कायरता के ऐसे कृत्य सामने आना कोई अलग बात नहीं है। अलग यह है कि उसी दिन पाकिस्तान भारत को चिट्ठी लिखकर रिश्ते सुधारने की बात करता है और दूसरी ओर ऐसी कायराना हरकत को अंजाम भी दे रहा है। हालाँकि पिछले कई वर्षों से लगातार घात लगाकर भारतीय सेना के जवानों के साथ अपनी कायराना हरकत का कोई-कोई सबूत पाकिस्तान देता चला आ रहा है। इस बार भी एक जवान की हत्या के बाद शव के साथ बर्बरता की सारी हदें पार की गई। जम्मू के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में शहीद हुए बीएसएफ जवान नरेंद्र सिंह को पाकिस्तानी सैनिकों ने अगवा कर पहले कई घंटे तड़पाया। फिर उनकी निर्मम हत्या की। जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी सैनिकों ने वहशीपन दिखाते हुए 51 साल के जवान नरेंद्र सिंह का पहले गला रेता। फिर शरीर पर करंट लगाया। इसके बाद एक टांग भी काट डाली। इसके बाद भी उनका मन नहीं भरा तो उन्होंने नरेंद्र सिंह की आंख निकाल ली। इतना ही नहीं, जवान की नृशंस हत्या करने के बाद सैनिकों ने कई गोलियां भी मारी।

कैप्टन सौरव कालिया इसके बाद शहीद हेमराज के साथ हुई बर्बरता को भारतीय भूले भी नहीं थे कि नायब सूबेदार परमजीत सिंह और कांस्टेबल प्रेमसागर पर ठीक इसी तरीके से बर्बरता को अंजाम दिया। इसके बाद कुपवाड़ा के मछिल सेक्टर में पाक सैनिकों ने तीन भारतीय जवान मनोज कुमार कुशवाहा, प्रभु सिंह और शशांक कुमार को अपहृत कर हत्या की तथा एक सिपाही के शव को क्षत-विक्षत कर डाला। इससे कुछ समय पहले अक्टूबर 2016 में ही भारतीय सेना के जवान मंदीप सिंह के साथ हुई क्रूरता को कौन भुला सकता है।

पाकिस्तान का दोगला और नापाक चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। पाक के पीएम इमरान खान भारत के साथ बातचीत की प्रक्रिया आगे बढ़ाना चाहते हैं। किन्तु बीएसएफ जवान की बर्बरता पूर्वक हत्या करने के बाद पाकिस्तानी सेना ने साफ कर दिया है कि वह भारत विरोधी अपनी पुरानी नीतियों पर ही चलेगी। दोनों देशों के बीच शांति उसे मंजूर नहीं है। शहीद हुए बीएसएफ जवान नरेंद्र सिंह पर बर्बरता के इस कृत्य से पूरे देश में गुस्सा है और हर तरफ से बदला लेने की आवाजें आ रही हैं। हर ओर से एक ही आवाज, बस अब और नहीं!

आजादी से लेकर आज तक पाकिस्तान द्वारा घाटी में लगातार वार किया जा रहा है, तीन आमने-सामने के युद्ध हारने के बाद भोले-भाले कश्मीरियों को गुमराह करके लगातार अस्थिरता फैलाने की कोशिशों में लगा है। अब जबकि वह अन्तराष्ट्रीय समुदाय के सामने बेनकाब हो गया है और जानता है कि पानी सर से ऊपर हो चुका है, तो भारत को परमाणु हमले की धमकी देने से भी बाज नहीं आ रहा है।

आज हर कोई जानना चाहता है कि शहीद के साथ क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ? लेकिन काश कि हमारे सवाल यह होते कि क्यों हुआ? और इसे कैसे रोका जाए? हालाँकि सब जानते हैं कि युद्ध किसी भी परिस्थिति में आखिरी विकल्प होना चाहिए किन्तु युद्ध तो श्रीकृष्ण भगवान ने भी लड़ा था महाभारत का, लेकिन उससे पहले शांति के सभी विकल्प आजमा लिए थे। हमें भी सबसे पहले अन्य विकल्पों पर विचार कर लेना चाहिए।

जब हम इसकी जड़ों को खोदते हैं तो पाते हैं कि कमी हमारे भीतर भी है। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमले के बाद अमेरिका ने एक महीने के भीतर न सिर्फ अन्तराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी करते हुए अफगानिस्तान में स्थित तालीबान का सफाया किया, बल्कि डेढ़ महीने के भीतर ही अमेरिकी पेट्रियेट एक्ट बना, सुरक्षा बलों और एफबीआई को ताकतवर बनाया। जिसके परिणाम स्वरूप वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमले के बाद अमेरिका आतंकवादियों के निशाने पर रहने के बावजूद वे वहां कोई बड़ा हमला दोबारा करने में नाकाम रहे हैं। किन्तु हमारे यहाँ राजनीति के चाबुक से हर बार उद्देश्य घायल होकर रह जाता है।

इस बार भी यही हो रहा है विपक्ष के कुछ नेता और बुद्धिजीवी अभी भी पाकिस्तान से दोस्ती की उम्मीद लगाये बैठे हैं। जबकि वो बार-बार छुरा घोंपता है हम बार-बार भूल जाते है। हमारे बुद्धिजीवियों और राष्ट्र के कर्णधारों को सोचना होगा कि यदि पाकिस्तान के साथ दोस्ती की कोई गुंजाईश होती तो बंटवारा क्यों होता? आखिर कितने धोखे खाकर पेट भरेगा? क्या स्वर्गीय अटल जी ने प्रधानमंत्री रहते दोस्ती का हाथ नहीं बढ़ाया था। बस लेकर लाहौर तक पहुंचे पर बदले में क्या मिला? कारगिल। इसके बाद मनमोहन सिंह जी ने भी दोस्ती का हाथ बढाया पर बदले में क्या मिला? मुम्बई के ताज होटल में मासूमों के साथ नरसंहार। मोदी जी ने भी सत्ता में आते ही सब कुछ भूलकर दोस्ती का हाथ ही नहीं बढाया बल्कि सीमापार कर वहां के प्रधानमंत्री के घर तक पहुंचे पर बदले में क्या मिला? पठानकोट एयरबेस और उड़ी में सैनिकों के शव।

हम बार-बार खून के आंसू पीते हैं किन्तु बार-बार भूल जाते हैं। हमें देश की सुरक्षा को सर्वोपरि रखना होगा समझौतों को ना कहना सीखना होगा, यह समझना होगा कि देश का गौरव व सम्मान पहले है न कि कुछ खास लोगों का आत्मसम्मान। कितने शर्म एवं दुख की बात है कि भारत में जिस वर्ग को कश्मीर में सेना के जवानों पर पत्थर बरसाने वाले लोगों पर पैलेट गन का उपयोग मानव अधिकारों का हनन दिखाई देता था, आज सेना के इस जवान की बर्बरता पर मौन हैं!

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

अमर शहीद राजगुरु

गतांक से आगे -

लगभग 100 कदम आगे बढ़कर दाहिनी ओर पड़ने वाली चौबे जी की हारमोनियम की दुकान के तख्ते पर अंधेरे में जा बैठा। कुछ फ़ासले पर लैम्प-पोस्ट था, लेकिन उसका प्रकाश उस व्यक्ति पर पड़ नहीं रहा था। घड़ी देखी। साढ़े दस बजे थे।

ठीक पौने-ग्यारह बजे मेस्टन रोड से गलियों-गलियों उसी ओर बढ़ता हुआ एक युवक उन्हें दिखाई दिया। आगन्तुक वीरभद्र तिवारी था, जिसने अपना ज़मीर, देश के प्रति अपना फर्ज़, आज़ाद का अपने प्रति विश्वास, सब कुछ बेच दिया था, महज़ 200 रुपये मासिक वेतन पर।

'मास्टर' शब्द सुनते ही वह ठिठका। फिर रुका और शम्भूनाथ के क़रीब आकर पटरे का सहारा लेकर खड़ा हो गया।। फुसफुसाते हुए उसने सूचना दी, ''एक हफ़्ते से पंडित जी (चद्रशेखर आज़ाद) इलाहाबाद में हैं। शायद, कटरा वाले मकान में।'' इससे अधिक वह कुछ न बोला। शम्भूनाथ ने सदरी की जेब में हाथ डाला और नोटों की एक गड्डी निकालकर उसके हाथ में थमा दी। वीरभद्र ने रुपये जेब के हवाले किये और इधर-उधर देखता हुआ रामनारायण बाज़ार में अन्दर पटकापुर की ओर बढ़ गया। शम्भूनाथ ने फूलबाग़ चौराहे से बिरहाना रोड का रास्ता अपनाया।

बुधवार, 25 फरवरी, 1931 सुबह की गाड़ी पकड़कर दोपहर से पहले शम्भूनाथ इलाहाबाद पहुंचे। स्टेशन से सीधे सी. आई.डी. हेडक्वार्टर्स गये। डिप्टी सुपरिण्टेण्डेण्ट ठाकुर विश्वेश्वर सिंह से गुप्त वार्तालाप हुआ और तुरन्त ही एस. पी, एस.बी. (सुपरिण्टेण्डेण्ट ऑफ़ पुलिस, स्पेशल ब्रांच, जिन्हें ए. एस. बी. अर्थात् असिस्टैण्ट स्पेशल ब्रांच भी कहा जाता था) जे. आर. एच. नॉटबावर, पुलिस अधीक्षक पी.एच.जे. मेज़ेर्स तथा असिस्टैण्ट सुपरिण्टेण्डेण्ट पुलिस डब्ल्यू. एच. आर्चबोल्ड से शीर्घ ही उचित कार्रवाई करने का हुक्मनामा मिला। रिज़र्व पुलिस लाइन्स में सार्जेण्ट टिटर्टन और ई. एम. हेरिस को मय आर्म्ड पुलिस के 80 जवानों के 'कमरबन्दी' का आदेश भी दे दिया गया। (उन्हें तीन मिनट के अन्दर हथियारों से लैस होकर इलाहाबाद में किसी भी स्थान पर 15 मिनट में पहुंचना था।)

- क्रमश:

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार : क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

प्रचार हेतु शोभायात्रा/प्रभातफेरी आयोजित करें

समस्त आर्य समाजों, आर्य विद्यालयों, गुरुकुलों एवं अन्य सहयोगी संस्थानों के पदाधिकारियों से निवेदन है कि अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर सम्मेलन से चार दिन पूर्व अपने प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्रों में सम्मेलन के प्रचार एवं जन साधारण को आमन्त्रित करने पधारने की प्रेरणा देने के लिए प्रात:काल अथवा सायंकाल जैसा आप उचित समझें शोभायात्राएं/प्रभातफेरियां आयोजित करें, जिससे जन साधारण में जानने की उत्सुकता तथा जागृति का संचार हो। ***- संयोजक***

आर्यजन महासम्मेलन में अपनी समाज की बैच लगाकर आएँ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आने वाले सभी आर्यजन भाई-बहन अपनी पहचान के लिए अपनी आर्य समाज का सुन्दर बैच लगाकर आएँ। बैच में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का लोगो, महर्षि दयानन्द का सुन्दर चित्र, अपने आर्य समाज का नाम, अपना नाम व पता अवश्य अंकित करें। इससे आप की पहचान जहाँ आप के आर्य समाज और जनपद के साथ बनी रहेगी वहीं पर आम जनता में भी आर्य समाज और इस महासम्मेलन की चर्चा हो जाएगी। सम्मेलन का लोगो अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की वैबसाइट www.arya mahasammelan.org अथवा दिल्ली सभा की वैबसाइट www.thearya samaj.org से डाउनलोड किया जा सकता है।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

आयोजित होने वाले महत्त्वपूर्ण सम्मेलनों का विवरण

२५ अक्टूबर, २०१८ : उद्घाटन सम्मेलन, वेद सम्मेलन, अंधविश्वास निवारण सम्मेलन, आर्यवीर सम्मेलन, भजन एवं गीत संध्या

२६ अक्टूबर, २०१८ : निरन्तर क्रियाशील आर्यसमाज, संस्कृति एवं सामाजिक संचेतना सम्मेलन, आर्य महिला सम्मेलन, लेजर शो, भजन प्रस्तुति, मानव कल्याण एवं विश्व शान्ति एकता यज्ञ (एकरुपीय यज्ञ-प्रशिक्षित याज्ञिकों द्वारा - मुख्य पंडाल में सीधा प्रसारण), महर्षि दयानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सम्मेलन, कवि सम्मेलन

२७ अक्टूबर, २०१८ : राष्ट्र चिन्तन सम्मेलन, विश्व आर्यसमाज सम्मेलन, आर्य परिवार सम्मेलन, व्यायाम प्रदर्शन, आर्यसमाज सेवा कार्य सम्मेलन, भजन संध्या

२८ अक्टूबर, २०१८ : संकल्प सत्र, आर्य सांगठनिक सम्मेलन, समापन सत्र

महासम्मेलन में विचारणीय कुछ मुख्य विषय

- संस्कारित परिवार - समाज निर्माण
- जनसंख्या का सामाजिक/वैचारिक असंतुलन-एक नए खतरे का संकेत
- मानव निर्माण का आधार
- मानव की आवश्यकता - अध्यात्म एवम् योग
- विश्व स्तर पर असंतुलित लिंग अनुपात
- बदलते सामाजिक एवं नैतिक मूल्य-समाधान क्या? कैसे?
- निरन्तर बढ़ता प्रदूषण - मानव जाति के लिए चुनौती- यज्ञ एवं सौर ऊर्जा सर्वोत्तम समाधान
- शिक्षा - केवल रोजगार या मानव उन्नति का साधन?
- बढ़ती नशा प्रवृत्ति - जिम्मदारी कानून की या समाज की?
- अंधविश्वासों का बढ़ता विश्वव्यापी व्यापार - निराकरण हेतु हमारी भूमिका : जनचेतना व धार्मिक भ्रष्टाचार निरोधक कानून ही उपाय
- गोरक्षा, आयुर्वेद, धर्मान्तरण, तुष्टीकरण
- आर्ष गुरुकुलों की स्थिति पर चिन्तन
- बढ़ती जाति की दीवारें - समाज, संस्कृति व राष्ट्र के लिए घातक
- वर्ण व्यवस्था -वास्तविक मनुवाद
- आर्यसमाज - नए युग में प्रवेश - दृष्टि २०२४-२०२५
- सोशल नेटवर्किंग - समाज में बदलाव-सुधार या बिखराव
- मानव सम्बन्ध - न्यायालयीय आदेश/निर्देश - स्वीकार्यता
- परिवारिक परिस्थिति - रिश्तों को बचाईए
- आर्य (हिन्दू) जाति में ऊंच-नीच का विभाजन
- आर्य जाति का विभाजन - राजनीति का शिकार
- एकाकी संतान - बच्चे तथा परिवार के विकास के लिए घातक
- दूषित अन्न - स्वास्थ्य का शत्रु - जीरो बजट खेती-एक समाधान
- एक मंदिर एक शमशान-तभी होगा भारत महान
- आर्यसमाज की भावी कार्य पद्धति व योजना
- संकल्प सत्र एवं आओ करें, कल की बातें
- हिन्दी संस्कृत की वर्तमान स्थिति पर चिन्तन
- घर-घर पहुंचाएं वेद सन्देश - छूटे न विश्व का कोई देश

एक रुपीय यज्ञ हेतु दिल्ली में अनेक स्थानों पर यज्ञ प्रशिक्षण : विश्व रिकार्ड की तैयारी

आप आर्यसमाज के अधिकाधिक सदस्यों के साथ भाग लें : प्रशिक्षण/जानकारी हेतु श्री सतीश चड्डा जी 9313013123 से सम्पर्क करें

दिल्ली में अक्तूबर, 2018 में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के अवसर पर होने वाले विशाल एक रूपीय यज्ञ की तैयारी हेतु दिल्ली के विभिन्न विद्यालयों एवं संस्थाओं में यज्ञ प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस हेतु सभा की आर्य विद्या परिषद् दिल्ली के अन्तर्गत संचालित रघुमल आर्य कन्या सी. सै. स्कूल, राजाबाजार नई दिल्ली, पुष्पावती पुरी आर्य पब्लिक स्कूल, आर्यसमाज मॉडल बस्ती शीदीपुरा, महाशय चुन्नी लाल आर्य पब्लिक स्कूल, हरि नगर, नई दिल्ली तथा आर्यसमाज सन्देश विहार में यज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुए प्रशिक्षण शिविर में श्री सत्यप्रकाश जी के सानिध्य में छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इन शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राओं, अध्यापकों तथा आर्यजनों को महासम्मेलन के अवसर पर आयोजित विशाल एकरूपीय यज्ञ कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। यदि आप भी प्रशिक्षण प्राप्त करके महासम्मेलन के अवसर पर आयोजित होने वाले एक रूपीय यज्ञ में भाग लेना चाहते हैं तो अपनी आर्यसमाज/ विद्यालय/संस्थान में आयोजित करने हेतु **यज्ञ व्यवस्था संयोजक श्री सतीश चड्डा जी से 9313013123** पर सम्पर्क करें।

- ***संयोजक***

ओ३म्

दिल्ली चलो

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25 से 28 अक्टूबर 2018
दिल्ली
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

वैदिक विचारधारा को विश्वभर में गुंजायमान करने के संकल्प को साथ लेकर

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

भारत की राजधानी दिल्ली में विश्वभर के आर्यों का महाकुंभ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

तदनुसार कार्तिक कृ० १, २, ३, ४ विक्रमी सम्वत् २०७५

विश्व शान्ति यज्ञ, योग तथा सामाजिक व राष्ट्रीय विषयों पर तपोनिष्ठ संन्यासियों एवं वैदिक विद्वानों के प्रेरणास्पद उद्बोधन एवं प्रवचन

लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

-: सम्मेलन स्थल :-

स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली

निवेदक

सुरेश चन्द्र आर्य
प्रधान
सा. आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9824072509

महाशय धर्मपाल
अध्यक्ष
स्वागत समिति
+91 11 25937987

प्रकाश आर्य
मंत्री
सा. आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9826655117

धर्मपाल आर्य
सम्मेलन संयोजक
प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9810061763

उप प्रधान : डॉ. राधकृष्ण वर्मा, आ.विजय पाल, सोमदत्त महाजन। उप प्रधान : शिव कुमार मदान, ओम प्रकाश आर्य, श्रीमती मृदुला चौहान।
उपमन्त्री : वाचोनिधि आर्य, देवराज आर्य, प्रदीप आर्य मन्त्री : अरुण प्रकाश वर्मा, सुखबीर सिंह आर्य, सुरेन्द्र आर्य, शिवशंकर गुप्ता, वीरेन्द्र सरदाना, सुरेशचन्द्र गुप्ता। कोषाध्यक्ष : श्री विद्यामित्र ठुकराल
कोषाध्यक्ष : श्री अनिल तनेजा ।

मिठाईलाल सिंह
परामर्शदाता
अ.आर्य महासम्मेलन

आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य : संरक्षक : रामनाथ सहगल, मदन मोहन सलूजा, ठा. विक्रम सिंह, ओम प्रकाश घई, सतपाल भरारा,
उप प्रधान : सुरेन्द्र कुमार रैली, विक्रम नरुला, उषाकिरण आर्या, राजेन्द्र दुर्गा, कीर्ति शर्मा, अजय सहगल।
महामन्त्री : सतीश चड्डा, मन्त्री : योगेश आर्य, हरिओम बंसल, एस.पी. सिंह, राजीव चौधरी। व्यवस्था सचिव : सुरिन्द्र चौधरी

संयोजक एवं व्यवस्था समिति के माननीय सदस्यगण

मा. रामपाल आर्य	उमेद शर्मा	सुदर्शन शर्मा	प्रेम भारद्वाज	मिठाईलाल सिंह	अरुण अबरोल	स्वामी धर्मानन्द	वीरेन्द्र पाण्डा
प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री
आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा		आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब		आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई		आर्य प्रतिनिधि सभा उड़ीसा	
दीनदयाल गुप्त	जगदीश प्र. केडिया	सुरेशचन्द्र आर्य	हंसमुख परमार	आचार्य अंशुदेव	दीनानाथ वर्मा	राकेश चौहान	रविकान्त
प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री
आर्य प्रतिनिधि सभा पश्चिम बंगाल		आर्य प्रतिनिधि सभा गुजरात		आर्य प्रतिनिधि सभा छत्तीसगढ़		आर्य प्रतिनिधि सभा जम्मू-कश्मीर	
डॉ. ब्रह्ममुनि	माधवराव देशपाण्डे	इन्द्र प्रकाश गांधी	प्रकाश आर्य	डॉ. धीरज आर्य	स्वामी धर्मेश्वरानन्द	विजय सिंह भाटी	सुधीर शर्मा
प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	का. प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री
आर्य प्रतिनिधि सभा महाराष्ट्र		आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य भारत		आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश		आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान	
प्रबोध चन्द्र सूद	करमवीर सिंह	भारतभूषण त्रिपाठी	चन्द्रशेखर प्रसाद	सत्यवीर शास्त्री	अशोक यादव	रमाकान्त सिंघल	लोकेश आर्य
प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री
आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश		आर्य प्रतिनिधि सभा झारखण्ड		आर्य प्रतिनिधि सभा म.प्र.व विदर्भ		आर्य प्रतिनिधि सभा असम	
सुभाष अष्टीकर	डॉ. वासुदेव राव	संजीव चौरसिया	व्यासनन्दन शास्त्री	डॉ. विनय विद्यालंकार	नरेन्द्रलाल आर्य	धर्मपाल गुप्ता	जोगेन्द्र खट्टर
प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	प्रधान	मन्त्री	उप प्रधान	महामन्त्री
आर्य प्रतिनिधि सभा कर्नाटक		आर्य प्रतिनिधि सभा बिहार		आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड		अ.भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ	
श्री देवेन्द्रपाल वर्मा	श्री विवेक शिनॉय, संयोजक	डॉ. धनञ्जय जोशी, संयोजक		सुरेश आर्य, संयोजक		डॉ. धर्मतेजा, संयोजक	
आर्य नेता, उ.प्र.	केरल अभियान समिति	तमिलनाडु अभियान समिति		अन्दमान निकोबार अभियान समिति		आ.प्र. व तेलंगाना अभियान समिति	

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

Veda Prarthana - II Regveda - 20/2

सहिस्त्रशीर्षा पुरुषः सहस्त्राक्षः
सहस्त्रपात्। स भूमि सर्वत
स्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाऽ्गुंलम्।।
– यजुर्वेद 31/1

Sahasrasheersha purushah
sahasarakshah sahasrapat.
Sa bhumim sarvata sprata
atyatishthtat dashangulm.
- Yajurveda 31/1

God is all Knowing, All Seeing, and is Present Everywhere

- Acharya Gyaneshwarya

Continuee from Last issue

This vast universe is made of prakriti (matter) which is innately inert i.e. it has no innate activity or consciousness. The prakriti at its most primal level is composed of three types of extremely minute subatomic particles (called mool tatwa) with the following innate properties in a balanced state : satwa (full of energy but calm), rajas (full of energy but agitated) and tamas (inert, dull, no energy). Though these extremely minute particles are invisible to the eye, they still have shape, form, and dimensions whereby when they can be measured by scientific instruments. Also, when these minute particles combine with each other, one particle cannot enter/penetrate inside another, only displace it in one or the other direction and make a larger particle as described in the next paragraph.

Omnipresent God is present everywhere in each and every particle of this vast universe and beyond. God is endless. God is larger than the largest and smaller than the smallest. God being a conscious entity can enter/penetrate things made of prakriti to activate them. God does not have to displace prakriti particles as they do to each other when they combine as stated in the above paragraph. At the beginning of a new universe, God activates mool tatwa prakriti and from satwa, rajas, and tamas particles makes the next generation of extremely minute (but slightly larger than mool tatwa) particles called mahat or buddhi which form the basis of our intellect. The next generation of extremely minute particles formed from mahat, are called ahankar, which help the soul to form self-identity i.e. one's own personal identity separated from others. Following ahankare there are two offshoots of prakriti (matter). The first forms the basis of our perception in the form of manas as well as our subtle inner senses and abilities which guide the functions of our five sensory organs (jnanindriya) and five action organs (karmaindriya). From the second offshoot arise five sookshma tatwas, i.e., subtle physical matter called tanmatras (potentials or monads) namely Shabda (sound potential), Sparsha (touch potential), Rupa (sight potential), Rasa (taste potential) and Gandha (smell potential). Tanmatras, in turn, form the basis of next level of matter, which are the five sthool tatwas also called the five gross elements of nature/ universe namely Akasha (space), Vayu (air or gasseous things), Agni (fire, light, or energy), Jala (water or liquids) and Prithvi (earth or solid things). The five sthool (gross) tatwas are easily perceptible or visible to humans, however, the sookshma (subtle) tatwas, or tanmatras, are not. Manifest prakriti in the form of earth, sun, moon, planets as well as other stars and galaxies all eventually exist as a combination of mahat and all its descendent, successive forms of matter. God, the conscious entity that exists in all of these types of particles and entities is called Purusha.

Dear God, You are with us at all times, whether we are sitting, walking, lying down, eating, drinking or sleeping. Even though You have no shape or form, yet You exist in all directions around us and within us including being inside our souls. With Your grace, may we know and honor Your true omnipresent attribute and not start believing that You are anthropomorphic with a super-human being like appearance and You are located in a particular place called heaven. May we honor and worship You as You truly are, as described in the Vdas and not Your false substitutes in the form of images, icons or idols. Dear God, You are Omnipresent, Omnipotent, Omniscient, the Storehouse of Knowledge, Strength and Bliss; if we pray to You recognizing Your these attributes, then we will obtain knowledge, wisdom, strength and bliss directly from You otherwise we will fail in life.

It must, however, be remembered hat God not a physical object but pure consciousness and has no shape, form or dimensions and cannot be measured like physical objects as discussed elsewhere in this mantra. God being a conscious entity can exist/ enter/penetrate things made of matter akin to heat inside a hot iron rod or ball.

Traslator's Comment : Wheter these three properties in modern scientific terminology of subatomic particles, which make up the composition of the universe, may be translated to mean positive, negative or neutral respectively must remain conjectural for the present.

- To be Contd.....

आओ ! संस्कृत सीखें

संस्कृत वाक्य अभ्यास: (68)
क्त व क्तवतु (भूतकाल के प्रत्यय)

गतांक से आगे....

(क्तक्तवतु निष्ठा) भूतकाल को कहने में धातु(क्रियावाची शब्द) से क्त व क्तवतु प्रत्ययों का प्रयोग होता है।

उदाहरण- 1) तेन पुस्तकं पठितम्। यहां पठ् धातु में क्त प्रत्यय का प्रयोग हुआ है अत: वाक्य का अर्थ हुआ उसके द्वारा पुस्तक पढ़ी गई । यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि क्त का त व क्तवतु का तवत् शेष रहता है व क्त प्रत्यय के वाक्य अधिकतर कर्मवाच्य व क्तवतु के कर्तृवाच्य में बनते हैं।

2) अहं गृहं गतवान्।	मैं घर को गया।
3) रामेण इदं कार्यं कृतम्।	राम के द्वारा यह कार्य किया गया।
4) बालक: भोजनं भुक्तवान्।	बालक ने भोजन खाया।
5) शिष्येण लेख: लिखित:।	शिष्य के द्वारा लेख लिखा गया।
6) तत्र एकं पत्रं पतितवान्।	वहां एक पत्ता गिरा।
7) यज्ञकर्त्रा दारु छिन्नम्।	यज्ञ करने वाले के द्वारा लकड़ी फाड़ी गई।
8) राम: रावणं हतवान्।	राम ने रावण को मारा।
9) बालिका विद्यालयं गता।	बालिका विद्यालय को गयी।

***- आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय,* मो. 9899875130**

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर

उच्च आयवर्ग व उच्च शिक्षित प्रोफेशनल आर्य परिवारों एवं सामान्य परिवारों के लिए

21-22वां आर्य परिवार वैवाहिक परिचय सम्मेलन

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के निर्देशन में दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में 21वां सम्मेलन उच्च आय वर्ग एवं उच्च शिक्षित प्रोफेशनल युवक युवतियों के लिए तथा 22वां आर्य परिवार युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के अवसर पर सम्मेलन स्थल - स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर-10, रोहिणी नई दिल्ली में 26-27 अक्तूबर को प्रात: 10 बजे किया जाएगा।

समस्त आर्य परिवारों से अनुरोध है कि अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों के आर्य परिवारों से सम्बन्ध जोड़ने के लिए परिचय सम्मेलन में शीघ्रातिशीघ्र पंजीकरण कराने का कष्ट करें। **उच्च वर्ग के लिए पंजीकरण शुल्क 800/- रुपये** एवं **सामान्य वर्ग के लिए पंजीकरण शुल्क 300/-** है। पंजीकरण फॉर्म **www.thearyasamaj.org** से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन हेतु पंजीकरण फार्म पूर्ण विवरण के साथ **'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा'** के नाम वर्गानुसार राशि **800/- अथवा 300/- रुपये** का डिमाण्ड ड्राफ्ट संलग्न भेजें अथवा 'दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा' के नाम **खाता संख्या 910010001816166 IFSC - UTIB0000223 एक्सिज बैंक करोल बाग शाखा** में जमा कराकर रसीद फार्म के साथ भेंजे। आवेदन भेजने की **अन्तिम तिथि 15 अक्तूबर, 2018** है। इसके बाद प्राप्त आवेदनों को विवरणिका में प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा। आप अपना/अपने बच्चों का पंजीकरण **www.matrimony. thearyasamaj.org** पर ऑनलाईन भी कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

अर्जुनदेव चढ्ढा, राष्ट्रीय संयोजक (मो. 9414187428)

श्रीमती विभा आर्या, संयोजिका (मो. 9873054398)

प्रेरक प्रसंग

यह किसका प्रकाश है?

पूज्य स्वामी आत्मानन्दजी महाराज ने देश-विभाजन से पूर्व एक पुस्तक लिखी। उसके प्रकाशनार्थ किसी धनी-मानी सज्जन ने दान दिया। स्वामीजी के गुरुकुल से वह पुस्तक प्रकाशित कर दी गई। उसमें दानी का चित्र दिया गया, लेखक का चित्र न दिया गया। एक ब्रह्मचारी पुस्तक लेकर महाराज के पास लाया और कहा, ''विद्वान् का महत्त्व नहीं, धनवान् का है। आपका चित्र क्यों नहीं प्रकाशित किया गया?''

गम्भीर मुद्रावाले वीतराग आत्मानन्द जी ने पुस्तक हाथ में लेकर उसके पृष्ठ उलट-पुलटकर कहा, ''यह सारी पुस्तक किसका प्रकाश है?''

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

***तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी* : पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

रेल यात्रा से पधारने वाले आर्यजनों के लिए ट्रांसपोर्ट (यातयात) व्यवस्था : कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर दिल्ली पधार रहे समस्त आर्यजनों की सुविधा हेतु सूचित किया जाता है कि महासम्मेलन आयोजन समिति की ओर से **ट्रांसपोर्ट व्यवस्था** केवल **24 अक्तूबर की प्रातः से 25 अक्तूबर देर रात्रि तक** केवल और केवल दिल्ली के **प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, आनन्द विहार, सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशनों** से ही यात्रियों को महासम्मेलन स्थल - **"स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी दिल्ली-85"** तक पहुंचाने के लिए उपलब्ध होगी। आप कहां से, कब, कितने बजे किस स्टेशन पर पहुंच रहे हैं इसकी सूचना अपने ग्रुप लीडर के माध्यम से ग्रुप लीडर के नाम, पते, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें।

अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास एवं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था की जा सके। **वापसी में** भी इसी प्रकार **केवल 28 अक्तूबर की प्रातः से देर रात्रि तक** सम्मेलन स्थल से रेलवे स्टेशनों तक ही ट्रांसपोर्ट व्यवस्था उपलब्ध होगी। आर्यजन इस सेवा का लाभ उठावें।

कृपया नोट करें - दिल्ली के बस अड्डों से यात्रियों के लाने-ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। बसों से आने वाले आर्यजन दिल्ली मैट्रो सुविधा का प्रयोग करें।

टांसपोर्ट हेतु इन साधनों का भी प्रयोग कर सकते हैं

दिल्ली मैट्रो : सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली/पुरानी दिल्ली/आनन्द विहार/सराय रोहिल्ला एवं अन्तर्राज्यीय बसअड्डे कश्मीरी गेट, आनन्द विहार पर मैट्रो सुविधा उपलब्ध है। आप अपने निकटतम मैट्रो स्टेशन से रोहिणी वैस्ट का टोकन लेकर सम्मेलन स्थल पहुंचें। निजामुददीन रेलवे स्टेशन या सराय कालेखां बस अड्डे पहुंचने वाले आर्यजन वहां से प्रगति मैदान मैट्रो स्टेशन पहुंचकर सम्मेलन स्थल पहुंच सकते हैं। (मैट्रो में अधिकतम किराया 60/- है)

ओला/उबर कैब : अपने स्मार्ट फोन में OLA App या UBER App डाउनलोड करें। अपनी लोकेशन सैट करें और कार बुक करके सम्मेलन स्थल पहुंचें अधिकतम 4 लोगों के लिए बिल अनुसार किराया उचित।

ओटो : रेलवे स्टेशन/बस अड्डे से कोई भी ओटो लेकर सम्मेलन स्थल पहुंचे।

प्रीपेड टैक्सी : किसी भी रेलवे स्टेशन/बस अड्डे से प्री-पेड टैक्सी/ओटो लेकर भी उचित किराये के साथ सम्मेलन स्थल पहुंचा जा सकता है। (अधिकतम चार लोग)

- संयोजक, यातायात समिति

आवास व्यवस्था हेतु कृपया ध्यान दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018 के अवसर पर यदि आप सम्मेलन स्थल मैदान में ही बनें आवासों में ठहरने की व्यवस्था चाहते हैं तो कृपया ध्यान दें -

1. सम्मेलन के दिनों में रात्रि का मौसम हल्की ठंड वाला होगा। अतः अपने ओढ़ने एवं बिछाने के लिए सामान्य चादर या पतला कम्बल अवश्य साथ लाएं, जिससे आपको सुविधा हो।

2. जो महानुभाव ग्रुप में आ रहे हैं। वे अपने ग्रुप लीडर का नाम, पता, फोन नं. और ग्रुप में आने वाले सदस्यों की सूची बनाकर आवास समिति के नाम सम्मेलन कार्यालय के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमल करें। अपने ईमेल/पत्र पर **"आवास व्यवस्था हेतु"** अवश्य लिखें ताकि आपके लिए आवास एवं ट्रांस्पोर्ट व्यवस्था की जा सके।

जो व्यक्ति एक साथ, एक ही साधन से एक ही समय पर पहुंच रहे हैं, उसे ही ग्रुप कहा जाएगा। अतः यदि आप एक ही संस्था/आर्यसमाज के सदस्य होने पर भी अलग-अलग समय/साधन से आ रहे हैं तो उसके लिए पृथक से ग्रुप लीडर बनाएं और उसी के हिसाब से पधारने वाले सज्जनों की सूची भेजें।- ***संयोजक, आवास***

शोक समाचार

स्वामी चेतनानन्द सरस्वती का निधन

आर्य जगत् के बंगीय वैदिक विद्वान् सन्यासी स्वामी चेतनानन्द सरस्वती का दिनांक 7 सितम्बर को प्रातः 88 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ 11 सितम्बर को वेद मन्दिर आश्रम, बीड रोड स्टेशन के पास कोलकाता में हुआ।

भजनोपदेशक श्री श्यामवीर राघव का निधन

आर्यसमाज के प्रसिद्ध भजनोपदेशक पं. श्री श्यामवीर राघव जी का दिनांक 24 सितम्बर को निधन हो गया।

श्रीमती निर्मल राय का निधन : स्त्री आर्यसमाज अशोक विहार फेज-1 की पूर्व प्रधान श्रीमती निर्मल राय जी का 21 सितम्बर को निधन हो गया।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

ठहरने के लिए क्या आप 'होटल' चाहते हैं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आप की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। आप सभी का सहर्ष स्वागत है। आप इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में आएँ और अन्यों को इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर यदि आप ठहरने के लिए होटल में आवास सुविधा चाहते हैं तो संयोजक समिति द्वारा कुछ होटलों में सशुल्क आवास व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सामान्य होटल करोल बाग क्षेत्र में मैट्रो के निकट, रोहिणी क्षेत्र में 2 स्टार ओयो रुम सम्मेलन स्थल से 2 किमी क्षेत्र में तथा 3 स्टार होटल सम्मेलन स्थल से 3-4 किमी की दूरी पर हैं। होटल शुल्क (सभी करों सहित) इस प्रकार है-

सामान्य होटल (करोलबाग)**:** 1500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

2 स्टार ओयो रुम : 2500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

3 स्टार (विद ब्रेक फास्ट) : 3500/- रुपये प्रति रात्रि दो व्यक्तियों के लिए

यदि आप कमरे में तीसरे बैड की व्यवस्था चाहते हैं तो अतिरिक्त शुल्क पर बैड उपलब्ध हो सकेंगे। उसके लिए आपको स्वयं होटल में बात कर लें। अनुमानित रूप से तीसरे बैड के लिए सामान्य होटल में 300/-, 2स्टार में 500/- तथा 3 स्टार में 800/- रुपये में देय होंगे। अतिरिक्त बैड की ये दरें अनुमानित हैं। इसके लिए आप स्वयं अपने आबंटित होटल में पहुंचकर बात करें।

इसके अतिरिक्त राहिणी क्षेत्र में **2000/- रुपये प्रति रात्रि तीन लोगों के लिए भी सामान्य होटल** उपलब्ध हैं।

सभी होटल पूर्णतः ए.सी., अटैच टॉयलेट और आवश्यक सुविधाओं से युक्त हैं। यदि आप सुविधा का लाभ उठाना चाहते है तो देय राशि का बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर अपने नाम, पता एवं दूरभाष सहित पूर्ण विवरण पत्र द्वारा सम्मेलन कार्यालय को भेजें।

नोट : आप स्वयं भी रोहिणी, पीतमपुरा, शालीमार बाग एवं आस-पास के क्षेत्रों में धर्मशाला/होटला ओयो रुम विभिन्न बैवसाइटों के माध्यम से बुक करा सकते हैं आप द्वारा स्वयं बुक कराने से सम्भव है कुछ कम राशि में बुकिंग हो सके।

- संयोजक, आवास समिति

सार्वदेशिक सभा एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित
अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018
25-28 अक्तूबर, 2018 : स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै.-10, रोहिणी, दिल्ली

मुख्य पंजीकरण फार्म

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....

नाम.....

पिता/पति का नाम .....

मोबाइल .....व्हाट्एप्प.....

फोन (नि.) .....(कार्या.).....

ई-मेल .....

पूरा पता .....

.....

राज्य .....देश .....पिन ☐☐☐☐☐☐

शैक्षिक योग्यता (अन्तिम): .....

व्यवसाय: व्यापार ☐ सेवारत ☐ सेवानिवृत ☐ अन्य ☐

यदि सेवारत हैं तो पद .....

संस्था का नाम-पता.....

.....

सम्बन्धित आर्यसमाज/संस्था का नाम .....

क्या आप भविष्य में सभा द्वारा भेजी गई सभी सूचनाओं के SMS/Whatsapp अपने दिए गए मोबाईल पर प्राप्त करना चाहेंगे? हां ☐ नहीं ☐

दिनांक ..... हस्ताक्षर .....

पंजीकरण संख्या ..... जन्मतिथि:...../...../.....

नाम.....

दिनांक ..... समय .....

(हस्ताक्षर कार्यालय प्रतिनिधि)

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020
नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 27-28 सितम्बर, 2018
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 26 सितम्बर, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

स्वर्ण जयन्ती पार्क, सै. 10, रोहिणी, दिल्ली - 110085

दिल खोलकर सहयोग करें

प्रतिष्ठा में,

नई दिल्ली के स्वर्णजयन्त पार्क (जापानी पार्क) रोहिणी सै. 10 में 25 से 28 अक्टूबर-2018 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन अपने आप में बहुत बड़ा सम्मेलन होगा। इस महासम्मेलन में दुनिया के 32 देशों से 5000 से अधिक आर्य प्रतिनिधियों के साथ सम्पूर्ण देश से 2 लाख से अधिक आर्य जनों के इसमें पहुँचेंगें। महासम्मेलन में आने वाले प्रत्येक आर्य के लिए सभी व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं के लिए आप सबका आर्थिक सहयोग सादर अपेक्षित है। सभी आर्यजनों, आर्य संस्थाओं, आर्य समूहों, प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाओं और आर्य महिला सभाओं/ संस्थाओं से निवेदन है कि अपनी सहयोग राशि चैक/बैंक ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा-महासम्मेलन-2018"** के नाम बनाकर भेजने की कृपा करें। यह सम्मेलन आप का है और आप के सहयोग से ही यह हर प्रकार से अद्वितीय बन सकता है। कृपया अपनी सहयोग राशि **'संयोजक'** के नाम **'अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन,15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें। **दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को दिया गया समस्त दान आयकर अधिनियम की धारा 80जी के अन्तर्गत आयकर छूट प्राप्त है।**

दानी महानुभाव अपनी दान/सहयोग राशि सीधे महासम्मेलन के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं। बैंक खाते का विवरण इस प्रकार है -

"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन - 2018"

A/c No. 918010068587610 IFSC Code : UTIB0002193
Axis Bank, P- Block, Cannought Place, New Delhi

A/c No. 37815923237 IFSC Code : SBIN0001639
State Bank of India, Janpath, New Delhi

कृपया अपनी दानराशि जमा कराते ही अपनी डिपोजिट स्लिप अपने नाम, पते एवं मो. नं. के साथ तत्काल रूप से श्री अशोक कुमार जी (9540040322) अथवा श्री मनोज नेगी जी (9540040388) को व्हाट्सएप्प कर दें, जिससे आपको राशि की रसीद भेजी जा सके।

- सम्मेलन संयोजक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली पधारने वाले आर्य महानुभाव कृपया ध्यान दें

सम्मेलन में पधारने वाले प्रत्येक महानुभाव के लिए **आधारकार्ड** साथ लाना अनिवार्य है। कृपया अपने आधार कार्ड की 2 फोटोप्रति पर अपना नाम एवं मोबाईल नं. साफ-साफ अक्षरों में लिखकर अपने हस्ताक्षर करके पंजीकरण काउंटर पर दें, जिससे पंजीकरण में आसानी हो। जिन महानुभावों के पास आधार कार्ड न हो वे अपने साथ सरकार द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र - वोटर कार्ड, लाईसेंस, पासपोर्ट, स्कूल पहचान पत्र आदि की प्रति साथ लेकर आएं।

- सम्मेलन संयोजक

डॉ. रघुवीर वेदालंकार को राष्ट्रपति सम्मान

वेदों के उद्भट विद्वान डॉ. रघुवीर वेदालंकार को संस्कृत सेवा के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार एवं साथ में पांच लाख रुपये राष्ट्रपति जी की ओर से दिया जायेगा। परोपकारिणी सभा की ओर से आपसे महर्षि दयानन्द जी की शैली में ऋग्वेद के 8-10 मण्डलों का वेदभाष्य भी संस्कृत तथा हिन्दी में कराया गया है। डॉ. रघुवीर वेदालंकार जो को यह सम्मान आर्य समाज की सम्मान है। आर्य समाज शालीमार बाग के मंत्री, प्रधान तथा संस्थापक तथा केन्द्रीय सभा दिल्ली के मंत्री रह कर आपने समाज सेवा की। आपकी लगभग 25 पुस्तकें विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जाती हैं तथा इनमें से कुछ पुस्तकें उ.प्र. तथा दिल्ली सरकार द्वारा पुरस्कृत हो चुकी हैं। इनके अतिरिक्त 'संस्कृत समाराधक' वेद वेदांग तथा गंगा प्रसाद उपाध्याय आदि कई पुरस्कार आपको प्रदान किये जा चुके हैं।

-डॉ. रवीन्द्र कुमार

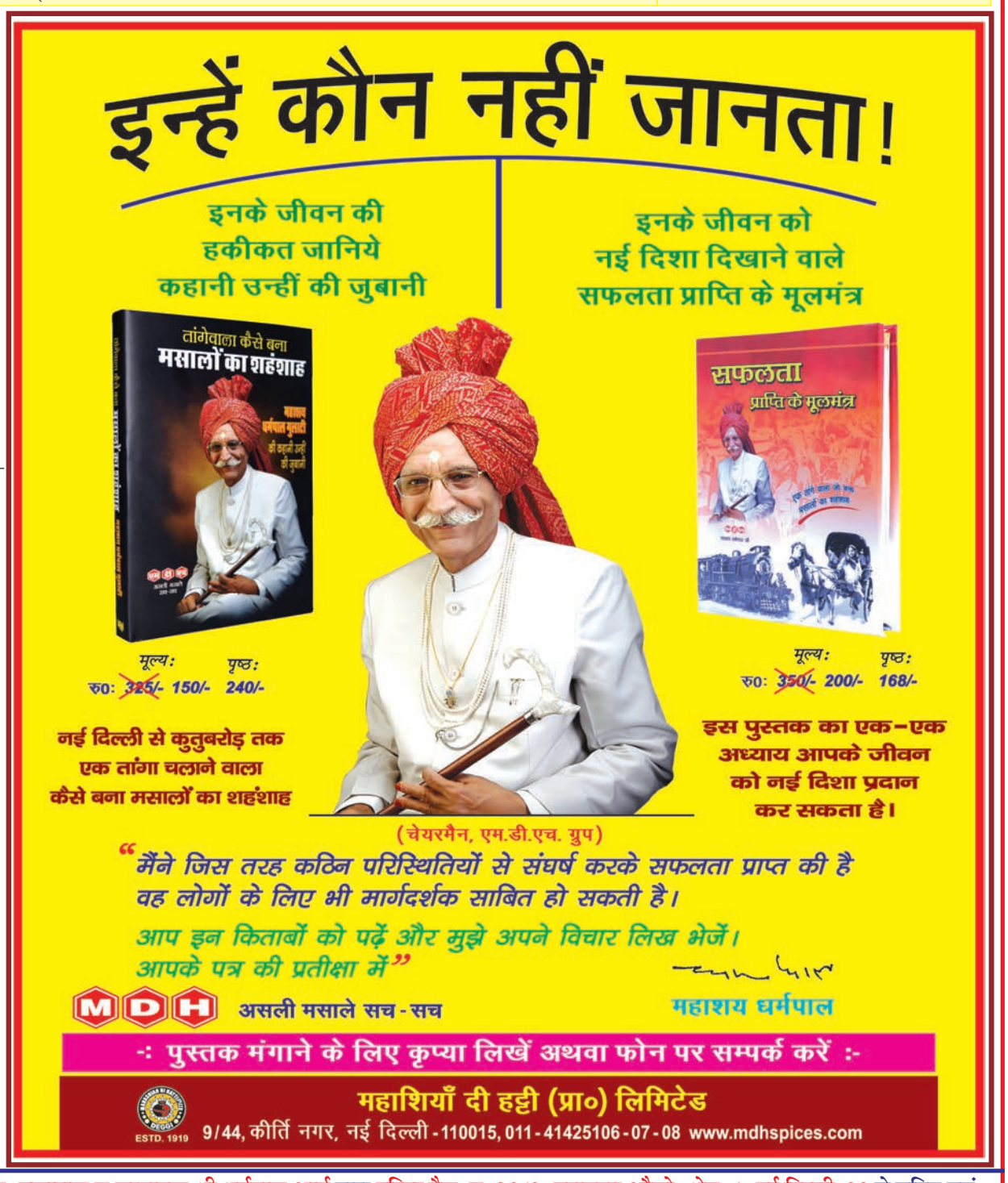

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह